

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

गुड न्यूज ! नवी मुंबई एयरपोर्ट को डीजीसीए से एयरोड्रम लाइसेंस, उद्घाटन की तैयारी तेज

Publisher

Published on 01 Oct 2025



मुंबई महानगरीय क्षेत्र के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को लेकर आखिरकार बड़ी खुशखबरी सामने आई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस जारी कर दिया है। इस लाइसेंस के मिलने के साथ ही मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) को दूसरा बड़ा एयरपोर्ट मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अब यहां पर वाणिज्यिक उड़ानों के संचालन की औपचारिक तैयारी शुरू हो जाएगी।

नवी मुंबई एयरपोर्ट का विचार लगभग दो दशकों पहले रखा गया था, ताकि मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को कम किया जा सके। मुंबई एयरपोर्ट देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है और यात्री संख्या लगातार बढ़ रही है। मौजूदा हवाई अड्डे की क्षमता अपने चरम पर पहुंच चुकी है। ऐसे में नवी मुंबई एयरपोर्ट क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय यातायात को संभालने में अहम भूमिका निभाएगा।

डीजीसीए द्वारा एयरोड्रम लाइसेंस जारी करना इस परियोजना के लिए मील का पत्थर माना जा रहा है। इसका मतलब है कि एयरपोर्ट अब सुरक्षा, तकनीकी और परिचालन मानकों पर खरा उतर चुका है। इससे यहां उड़ानों के संचालन का रास्ता कानूनी और औपचारिक तौर पर खुल गया है। एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना है कि अगले कुछ महीनों में सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद उद्घाटन का कार्यक्रम तय किया जाएगा।

खबरों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले महीनों में इस एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद धीरे-धीरे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत होगी। प्रारंभिक चरण में यहां से सीमित संख्या में उड़ानें चलाई जाएंगी, लेकिन आने वाले वर्षों में इसकी क्षमता को बढ़ाकर इसे देश के सबसे बड़े एयर हब्स में शामिल किया जाएगा।

नवी मुंबई एयरपोर्ट का निर्माण आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर किया गया है। एयरपोर्ट के डिजाइन में

यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और टिकाऊ विकास को प्राथमिकता दी गई है। यहां पर कार्गो सुविधाओं को भी विशेष महत्व दिया गया है, ताकि मुंबई क्षेत्र में बढ़ते लॉजिस्टिक कारोबार को गति मिल सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह एयरपोर्ट महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था और व्यापार के लिए गेम-चेंजर साबित होगा।

इस एयरपोर्ट के निर्माण से न केवल मुंबई बल्कि पूरे पश्चिमी भारत को फायदा मिलेगा। इससे घरेलू और विदेशी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी तैयार होंगे। खासतौर पर नवी मुंबई और आसपास के इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और तेज होगा। रियल एस्टेट सेक्टर को भी इस परियोजना से जबरदस्त बढ़ावा मिलने की संभावना है।

परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद अब एयरपोर्ट का परिचालन चरण-दर-चरण शुरू होगा। शुरुआती दौर में रनवे, टर्मिनल और कंट्रोल सिस्टम का परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद एयरलाइंस को स्लॉट अलॉट करने की प्रक्रिया शुरू होगी। एयरपोर्ट को पूरी तरह से ऑपरेशनल बनाने में कुछ महीने का समय और लग सकता है, लेकिन अब उद्घाटन की तारीख करीब है।

मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर) में लगातार बढ़ते ट्रैफिक और यात्री संख्या ने इस नए एयरपोर्ट की आवश्यकता को और भी जरूरी बना दिया था। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में सालाना करोड़ों यात्रियों को संभालता है, और इसकी क्षमता अपनी सीमा पर पहुंच चुकी है। नए एयरपोर्ट से इस दबाव को कम किया जा सकेगा और यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

राजनीतिक दृष्टिकोण से भी नवी मुंबई एयरपोर्ट का उद्घाटन बेहद अहम है। यह परियोजना राज्य और केंद्र सरकार की प्राथमिकता में शामिल रही है। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन कार्यक्रम इस परियोजना की महत्ता और इसकी राष्ट्रीय स्तर की पहचान को और भी मजबूत करेगा।

विमानन उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि नवी मुंबई एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय संपर्क और मजबूत होगा। यह हवाई अड्डा दक्षिण एशिया और खाड़ी देशों के लिए एक महत्वपूर्ण हब बनेगा। साथ ही, यहां से कार्गो ट्रैफिक बढ़ने से भारत की वैश्विक व्यापारिक स्थिति और भी सुदृढ़ होगी।

आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, एयरपोर्ट से जुड़ी सेवाओं, होटलों, ट्रांसपोर्ट और पर्यटन उद्योग को सीधा लाभ मिलेगा। इससे महाराष्ट्र को अरबों रुपये का राजस्व और रोजगार मिलेगा। स्थानीय लोगों के लिए भी यह एयरपोर्ट एक बड़ी सुविधा होगा क्योंकि इससे यात्रा समय और लागत दोनों में कमी आएगी।

अंततः कहा जा सकता है कि नवी मुंबई एयरपोर्ट का सफर लंबे इंतजार के बाद अब अपने मुकाम तक पहुंचने वाला है। डीजीसीए द्वारा एयरोड्रम लाइसेंस जारी होना इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण कदम है। अब पूरा देश इस बात का इंतजार कर रहा है कि कब प्रधानमंत्री मोदी इसका उद्घाटन करेंगे और मुंबई को उसका दूसरा बड़ा हवाई अड्डा मिलेगा। यह परियोजना न केवल मुंबई बल्कि पूरे देश की विमानन और आर्थिक प्रगति की दिशा तय करेगी।